प्रेस-नोट 26.01.2024

गणतंत्र दिवस पर महिला सशक्तिकरण और श्रीराम के जीवन का दिया संदेश

गांधी विद्या मंदिर व आई.ए.एस.ई. डीम्ड टू बी युनिवर्सिटी, सरदारशहर के संयुक्त तत्वावधान में 75वां गणतंत्र दिवस कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गुजरात की पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. वसुबेन द्विवेदी ने ध्वजारोहण कर प्रांगण में उपस्थित सभी नागरिकों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर संकल्प दिलवाया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि भारत को गणतंत्र विरासत में मिला हैं। भारत की प्राचीन संस्कृति और मूल्यों की विरासत को संजोने और राष्ट्र की एकता व अखण्डता हेतु सभी को दृढ़ संकल्पित रहने का संदेश दिया। समारोह की विशिष्ट अतिथि और गुजरात के बाबा साहब अम्बेडकर विश्वविद्यालय की वरिष्ठ प्रो. अवा शुक्ला ने उपस्थित जनों से गणतंत्र के मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयत्नशील रहने का आहवान किया। इस दौरान उन्होंने गणतंत्र की स्थापना के लिए हुए संघर्ष में राजस्थान के शौर्य और बलिदान को भी याद किया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और समारोह की अध्यक्षता कर रहे श्री कनकमल दूगड़ ने विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए भारतीय संस्कृति की परम्पराओं और प्राचीन ग्रंथों में स्थापित वैज्ञानिक चेतना के माध्यम से स्वयं को सशक्त नागरिक बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर गांधी विद्या मन्दिर के अध्यक्ष श्री हिमांश दूगड़ ने बदलते भारत के नवनिर्माण में शांति की भूमिका और आने वाले समय में भारत द्वारा विश्व का नेतृत्व करने की संभावना पर विष्वास जताया। कुलपति प्रो. बी.एल. शर्मा ने संविधान में उल्लेखित गणतंत्र के मूल्यों और आदर्शों पर प्रकाश डाला। इस दौरान संस्थान की विभिन्न इकाईयों ने महिला सशक्तिकरण और देश भक्ति को समर्पित कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी। शिक्षा संकाय के प्रशिक्षार्णियों द्वारा भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित संक्षिप्त सामूहिक नृत्य अभिनय की आलौकिक प्रस्तुति ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर गांधी विद्या मन्दिर के सचिव बिग्रेडियर अजयपति त्रिपाठी, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री धर्म सिंह गहलोत, शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. पूराराम, कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. कैलाश पारीक व शिक्षक, कार्मिक विद्यार्थी, अभिभावको तथा जनसमुदाय बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु प्रो. ओ.पी. जांगिड़ ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के संचालन सहायक आचार्य डॉ. अल्पना शर्मा व डॉ. प्रशान्त कुमार ने किया।